## प्रश्न पत्र - पंचम (हिंदी) PAPER – V (HINDI)

**दिनांक: 12-08-2021** **पूर्णांक:75**

**समय: 10.00 पू. से 12.00 अ. (2 घंटा)** **उत्तीर्णांक:37**

**निर्देश:** 1. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं|** 2. **परीक्षा के दौरान मोबाइल / स्मार्ट फ़ोन के प्रयोग पूर्णतयः वर्जित है|**

प्रश्न 1: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए | (2x6=12)

**संवाद में दोनों पक्ष बोलें यह आवश्यक नहीं | प्रायः एक व्यक्ति की संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है | यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है | मन से हारे दुखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नहीं अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है | बोलने वाले के हावभाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक – सामाजिक पृष्ठ भूमि को पल भर में बता देते हैं | संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भी बंता है | बात करने से बड़े - बड़े मसले , अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं | पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक-दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, सम्पूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ | श्रोता उन्हे कान से सुनें और मन से अनुभव करें तभी उनका लाभ है, तभी समस्याएँ सुलझाने की संभावना बढ़ती है और कम से कम यह समझ में आता है की अगले के मन की परतों के भीतर है क्या ? सच तो यह है की सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्रायः अकुशल होते हैं | दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिए हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता |**

**हम तो बस अपना झण्डा गाड़ना चाहते हैं | तब दूसरे पक्ष को झुंझलाहट होती है | वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला| रहीम ने ठीक ही कहा था – सुनी अठीलैहैं लोग सब, बांटि न लैहैं कोय|" ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है | लोग तो पेड़ – पौधों से, नदी – पर्वतों से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं| राम ने इन सबसे पूछा था क्या आपने सीता को देखा ? और उन्हे एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी | इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए |**

**प्रश्न: (क). उपर्युक्त गद्दयांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए|**

**प्रश्न: (ख). 'संवादहीनता' से क्या तात्पर्य है? यह स्थिति मौन भागीदारी से कैसे भिन्न है?**

**प्रश्न: (ग). भाव स्पष्ट कीजिए - "यह उतावलापन हमें संवाद की आत्मा तक नहीं पहुँचने देता|"**

**प्रश्न: (घ). दुखी व्यक्ति से संवाद में दूसरा पक्ष कब अधिक लाभकर होता है? क्यों?**

**प्रश्न: (च). सुनना कौशल की कुछ विशेषताएँ लिखिए|**

**प्रश्न: (छ). हम संवाद की आत्मा तक प्रायः क्यों नहीं पहुँच पाते?**

**प्रश्न 2: निम्नलिखित गदयांश का अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवाद करें| [15]**

**No Non- Governmental Organizaiton has been authorized to impart training of Official Language to the employees of Central Government Offices by the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs. Sufficient numbers of training centres across the country are functioning under the Department of Official Language and they impart various types of training to the officers and employees of the Central Government free of cost and they also organize workshops for deliberations on official Language. As per the directions of Department of Official Language, all the Central Government Offices organize workshops for encouraging the use of Official Language in their respective offices. Besides English, the facility of imparting online training of Hindi language through 14 Indian languages is available on the website of Department of Official Language. Thus, it is not appropriate to incur in fructuous expenditure from the Government exchequer for participation in Official Language training and workshops organized by such Non-Government Organizations.**

**प्रश्न 3: निम्नलिखित गद्दयांश का हिन्दी से अंग्रेज़ी में अनुवाद करें| [15]**

**शिक्षा में स्वायत्ता का अर्थ यह नहीं है की विश्वविद्यालय विशिष्ट आवश्यकताओं के प्रति ध्यान ही न दें| वस्तुतः विश्वविद्यालयों की स्थापना समाज की कुछ आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हुई है इन्हे इन आवश्कयकताओं को पूरा करने के लिए सजग रहना चाहिए|**

**हमारे देश के सामने एक बहुत बड़ी समस्या संकीर्ण धार्मिक और भाषा संबंधी मतभेदों को दूर करने के लिए एक राष्ट्रीय दृष्टि के विकास की है| इस कार्य में विश्वविद्यालयों निर्णायक भाग ले सकते हैं |**

**विद्यालयों व विश्वविद्यालयों के छात्रों के असंतोष से उत्पन्न अनुशासनहीनता का कारण उनकी यह द्रढ़ भावना है की उनके वयोवृद्ध, राजनीतिज्ञ और प्रशासक, अध्यापक और शिक्षाविद उनके विचारों और आकांक्षाओं की उपेक्षा करते हैं| उनकी असुरक्षा की भावना ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है |अब सही समय आ गया है की उनकी वास्तविक समस्याओं का विश्लेषण व निराकरण करने के लिए सच्चे प्रयत्न किये जाएँ व ठोस कदम उठाए जाएं|**

प्रश्न 4: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- [10]

1. **भारत संघ की राजभाषा क्या है?**
2. **राजभाषा हिन्दी किस लिपि में लिखी जाती है?**
3. **राजभाषा अधिनियम 1963, किस तिथि को पारित हुआ?**
4. **राजभाषा अधिनियम 1963, कब संशोधित हुआ था?**
5. **राजभाषा नियम के अधीन वर्गीकृत तीन क्षेत्र क्या-क्या हैं?**
6. **प्रत्येक वर्ष 'हिन्दी दिवस' कब मनाया जाता है?**
7. **राजभाषा नियम के अनुसार, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह किस क्षेत्र में आता है?**
8. **'ख' क्षेत्र में वर्गीकृत एक मात्र संघ राज्य क्षेत्र क्या है?**
9. **अरुणाचल प्रदेश की राजभाषा क्या है ?**
10. **राजभाषा विभाग का 'रा०भा०का०स०' से क्या मतलब है ?**

प्रश्न 5: (क) निम्नलिखित <u>वाक्यांशों को हिन्दी</u> में लिखे :- [5]

1. **Approved draft typed and put for signatures.**
2. **Advance for purchase of stationery may be sanctioned.**
3. **Background of the case.**
4. **Computation of repaying capacity.**
5. **Delegation of financial powers.**

(ख) निम्नलिखित <u>वाक्यांशों को अंग्रेज़ी</u> में लिखे [5]

1. **निःशुल्क आवास के बदले आवास भत्ता|**
2. **बार-बार अनुस्मारक भेजने के बावजूद अभी तक सूचना नहीं प्राप्त हुई है|**
3. **अशक्तता पेंशन का पुनर्निर्धारण|**
4. **इस आदेश को पूर्वप्रभावी नहीं किया जा सकता|**
5. **इस बात का कारण बताएं की सख्त कारवाई क्यों न की जाए|**

प्रश्न 6: निम्नलिखित **<u>अशुद्ध वाक्यांशों को शुद्ध</u>** करें :- [10]

1. **मैं मंगलवार के दिन व्रत रखता हूँ|**
2. **'उत्साह' नामक शीर्षक निबंध अच्छा है|**
3. **राजा अपनी ताकत के बल पर जीत गया|**
4. **प्रातःकाल के समय घूमना चाहिए|**
5. **वह लड़का पीटता है|**
6. **मैं शीतल जल को पी रहा हूँ|**
7. **वह बस पर यात्रा कर रहा है|**
8. **पंडितजी ने भक्तों के लिए कथा सुनाई|**
9. **शिष्य यज्ञ को लकड़ी लाया|**
10. **वह शहर के खिलौने लाकर बेचता है|**

प्रश्न 7: **"अभ्यास का महत्व"** विषय पर एक अनुच्छेद लिखें | [3]

*****